आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)

शुक्रवार 14.02.2025 समय 1830

मुख्य समाचार :–

- उत्तराखंड में 38वें राष्ट्रीय खेलों का आज हल्द्वानी में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ भव्य समापन। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय खेलों को ग्रीन गेम्स के रूप में आयोजित करने पर प्रदेश सरकार को बधाई दी।
- केंद्रीय मंत्री ने राष्ट्रीय खेलों का ध्वज मेघालय के मुख्यमंत्री को सौंपा, 39वें राष्ट्रीय खेल मेघालय में प्रस्तावित हैं।
- प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए राज्य स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र का गठन किया गया है।
- वनाग्निकाल के लिए टिहरी वन प्रभाग ने एक मास्टर कंट्रोल रूम सहित 52 क्रू–स्टेशन बनाए।

राष्ट्रीय खेल समापन

उत्तराखंड में 38वें राष्ट्रीय खेलों का आज हल्द्वानी में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ भव्य समापन हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय खेलों के सफल आयोजन के लिए उत्तराखंड सरकार को बधाई दी और पहली बार 'ग्रीन गेम्स' के रूप में आयोजित इन खेलों की सराहना की। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड ने ईको–फ्रेंडली खेलों का आयोजन कर पूरे देश के लिए एक मिसाल पेश की है।

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खेलो इंडिया और फिट इंडिया जैसी योजनाओं ने देश में खेल संस्कृति को मजबूत किया है। उन्होंने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि दृढ़ निश्चय और निरंतर प्रयास से ही सफलता हासिल की जा सकती है।

इस अवसर पर गृह मंत्री ने 2036 में भारत में ओलंपिक खेलों के आयोजन की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि देश इसके लिए पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने यह भी बताया कि 2014 में खेलों का बजट 800 करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर 3800 करोड़ रुपये हो गया है।

श्री शाह ने बताया कि अगले राष्ट्रीय खेल मेघालय में आयोजित होंगे। उन्होंने बताया कि मेघालय सरकार ने निर्णय लिया है कि यह आयोजन केवल मेघालय तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उत्तर–पूर्व के छह राज्यों में इसे आयोजित किया जाएगा।

इस अवसर पर केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि इस सफल आयोजन ने उत्तराखंड को खेलभूमि के रूप में पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा कि 2036 में ओलंपिक की मेजबानी की दिशा में यह राष्ट्रीय खेल एक महत्वपूर्ण शुरुआत है।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार ने इन खेलों के लिए अवसंरचनात्मक विकास पर विशेष ध्यान दिया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में स्थायी खेल ढांचे तैयार किए गए हैं, जो भविष्य में खिलाड़ियों के लिए बेहद फायदेमंद साबित होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड ने इस राष्ट्रीय खेल आयोजन में हाई–एल्टीट्यूड वाटर स्पोर्ट्स को भी शामिल किया, जिससे यहां साहसिक खेलों को बढ़ावा मिलेगा।

स्वास्थ्य सेवा

केंद्र सरकार की तर्ज पर प्रदेश में राज्य स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र– एस.एच.एस.आर.सी. का गठन किया गया है, जो राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं में नवाचार, पारदर्शिता, गुणवत्ता सुधार और वितरण प्रणाली को मजबूत करेगा। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने मीडिया को जारी एक बयान में बताया कि एस.एच.एस.आर.सी. प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं की सुगमता बढ़ाने के साथ ही प्रशिक्षण, कौशल विकास, रिपोर्टिंग और फीडबैक प्रणाली को भी विकसित करेगा। उन्होंने बताया कि संक्रमण की रोकथाम और सुरक्षा के लिये एस.एच.एस.आर.सी. समय–समय पर प्रोटोकॉल तैयार करेगा, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा। डॉ. रावत ने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, टीकाकरण, संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने और मातृ–शिशु मृत्यु दर में कमी लाने सहित टी.बी उन्मूलन जैसी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन सहित अनुसंधान व नवीन प्रौद्योगिकियों के इस्तेमाल में एस.एच. एस.आर.सी. महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। इसके लिये चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, चिकित्सा शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के उच्चाधिकारियों को अपने–अपने स्तर पर एस.एच.एस. आर.सी. के साथ समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिये गये हैं।

वनाग्नि सुरक्षा

टिहरी जिले में वन विभाग वनाग्नि सुरक्षा प्रबंधन में जुटा हुआ है। वनाग्निकाल के लिए टिहरी वन प्रभाग ने एक मास्टर कंट्रोल रूम सहित 52 क्रू–स्टेशन बनाए गए हैं। प्रभागीय वनाधिकारी पुनीत तोमर ने बताया कि वनाग्नि सुरक्षा के लिए विभाग ने अब तक जिलेभर में 250 से अधिक जागरूकता कार्यक्रम और गोष्ठी का आयोजन किया है। वनाग्नि सुरक्षा के लिए प्रत्येक क्रू–स्टेशन में चार–चार फायर वॉचर रखे जाएंगे, जिनकी संख्या में भी बढ़ोतरी की जा सकती है। उन्होंने बताया कि इस बार मोबाइल एप– फॉरेस्ट फायर उत्तराखंड द्वारा भी वनाग्नि सुरक्षा का अनुश्रवण किया जाएगा।

उद्यमिता विकास प्रशिक्षण

बागेश्वर के एस.एस.जे. परिसर में बारह दिवसीय उद्यमिता विकास प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। समन्वयक कमल किशोर बताया कि प्रशिक्षण में मार्केटिंग की जानकारी दी जा रही है। इसके अलावा

देवभूमि उद्यमिता योजना में छात्र–छात्राओं को पंजीकरण की प्रक्रिया और मॉडल को समझाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि छात्रों को खुद का स्टार्टअप करने के बारे में जानकारी दी जा रही है।

इस दौरान छात्रा रेखा भगरी ने बताया कि उद्योग को स्थापित करने और उनके कार्यों की जानकारी ने उन्हें काफी प्रेरित किया है।

पुलवामा श्रद्धांजलि

देश आज 2019 में पुलवामा हमले में जान गंवाने वाले सैनिकों को याद कर रहा है। छह वर्ष पहले आज ही के दिन जम्मू–कश्मीर के पुलवामा जिले में हुए आतंकी हमले में सीआरपीएफ के 40 जवानों की मृत्यु हो गई थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। सोशल मीडिया पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाली पीढ़ियाँ उनके बलिदान और राष्ट्र के प्रति उनके अटूट समर्पण को कभी नहीं भूलेंगी। गृह मंत्री ने कहा है कि नरेन्द्र मोदी सरकार आतंकवाद को पूरी तरह से समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।